शब्द, पद और पदबंध

-: शब्द :-

शब्द की परिभाषा – ऐसा स्वतंत्र वर्ण समूह, जिसका एक निश्चित अर्थ हो, उसे शब्द कहते हैं।

जैसे – कमल, घर, सुंदर, देश आदि शब्द हैं।

शब्दों का वर्गीकरण

I. अर्थ की दृष्टि से शब्द

अर्थ की दृष्टि से शब्द पाँच प्रकार के होते हैं –

1) एकार्थी शब्द
2) अनेकार्थी शब्द
3) समरूपी भिन्नार्थक शब्द
4) पर्यायवाची या समानार्थी शब्द
5) विपरीतार्थक या विलोम शब्द

1) **एकार्थी शब्द** – एकार्थी शब्द वो शब्द हैं, जिनका केवल एक ही अर्थ निकलता है। जैसे –

a) अपयश – बदनामी
b) निंदा – बुराई
c) सम्राट – राजा
d) बली – बलवान

2) **अनेकार्थी शब्द** – एक से अधिक अर्थ देने वाले शब्द अनेकार्थी शब्द कहलाते हैं। जैसे –

a) अंक – संख्या, गोद, अध्याय, नाटक का अंक

VASUNDHARAHINDI.COM

b) **कक्षा – परिधि, समूह, छात्रों का समूह**

c) **पानी – जल, मान, चमक**

d) **वर्ण – अक्षर, रंग, जाति**

3) **समरूपी भिन्नार्थक शब्द (I)**

अनेक शब्द ऐसे होते हैं, जो लिखने, बोलने और दिखने में समान हैं, किंतु विभिन्न भाषा के होने के कारण अलग अर्थ रखते हैं। जैसे –

a) **आम – एक फल (तद्भव), सामान्य (विदेशी)**

b) **काम – कामदेव (संस्कृत), कर्म (तद्भव)**

c) **कूल – किनारा (संस्कृत), ठंडा (अंग्रेजी)**

d) **फूल – पुष्प (हिंदी), मूर्ख (अंग्रेजी)**

समरूपी भिन्नार्थक शब्द (II)

कुछ शब्द उच्चारण में इतने मिलते-जुलते होते हैं कि प्रयोगकर्ता उन्हें एक मान लेते हैं, जबकि उनका अर्थ एक दूसरे से भिन्न होता है। जैसे –

शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ
अचल	पर्वत	अचला	पृथ्वी
अम्ब	माता	अंबु	जल
अवधि	समय	अवधी	अवध की भाषा
उदार	विशाल	उदर	पेट
कृपाण	तलवार	कृपण	कंजूस

4) **पर्यायवाची या समानार्थी शब्द**

एक अर्थ को प्रकट करने वाले अनेक शब्दों को पर्यायवाची या समानार्थी शब्द कहते हैं। जैसे –

a) **अमृत – सुधा, पीयूष, सोम, अमी, अमिय**

b) **ईश्वर – परमेश्वर, जगदीश, प्रभु, भगवान, ईश, दीनबंधु**

c) **घोड़ा – घोटक, बाजि, तुरंग, हय, सैंधव, अश्व**

d) **ध्वजा – पताका, झंडा, ध्वज, केतु**

e) **बेटा – सुत, तनय, आत्मज, पूत**

5) **विलोम या विपरीतार्थक शब्द**

कुछ शब्द युग्म ऐसे होते हैं जो परस्पर विरोधी होते हैं। जैसे –

a) **अंधकार – प्रकाश**

b) **अनुराग – विराग**

c) **कटु – मधुर**

d) **नीरस – सरस**

e) **पक्ष – विपक्ष**

II. <u>प्रयोग की दृष्टि से शब्दों का वर्गीकरण</u>

प्रयोग की दृष्टि से शब्द तीन प्रकार के होते हैं :-

1) **सामान्य शब्द**

2) **तकनीकी शब्द**

3) **अर्द्धतकनीकी शब्द**

1) **सामान्य शब्द – आम नागरिकों द्वारा प्रयोग में ली जाने वाली भाषा, जो जीवन निर्वाह के लिए आवश्यक है, उसे सामान्य भाषा कहते हैं।**
जैसे – घर, मकान, रोटी, दाल, जन्म, मृत्यु, सूरज आदि।

2) **तकनीकी शब्द – किसी विशेष शिक्षा, ज्ञान, शास्त्र, व्यवसाय से संबंधित विशेष शब्द तकनीकी शब्द कहलाते हैं।**
जैसे – प्रदूषण, सीमा-शुल्क, पदोन्नति, वरिष्ठ, आवेदन आदि।

VASUNDHARAHINDI.COM

3) **अर्द्धतकनीकी शब्द –** वो तकनीकी शब्द, जो अधिक प्रचलन के कारण सामान्य लोगों द्वारा प्रयुक्त किए जाते हैं, अर्द्धतकनीकी शब्द कहलाते हैं।
जैसे – फ्रिज, टी.वी., कविता, कानून, चुनाव आदि।

III. स्त्रोत की दृष्टि से शब्दों का वर्गीकरण

स्त्रोत की दृष्टि से शब्द पाँच प्रकार के होते हैं।

1) **तत्सम (संस्कृत)**
2) **तद्भव**
3) **देशी**
4) **विदेशी**
5) **संकर शब्द**

1) **तत्सम (संस्कृत) के शब्द –**
ये शब्द संस्कृत के होते हैं तथा अपने मूल रूप में ही हिंदी में प्रयुक्त होते हैं।
जैसे – असुर, पुष्प, नीर, रात्रि आदि।

2) **तद्भव शब्द –**
मूल रूप से संस्कृत के शब्द समय के साथ अपना रूप बदल लेते हैं तथा हिंदी में प्रयुक्त होते हैं। ऐसे शब्दों को तद्भव शब्द कहते हैं।
जैसे –

तत्सम	तद्भव
अग्नि	आग
आश्रय	आसरा
दुग्ध	दूध
प्रिय	प्यारा
भगिनी	बहन
सप्त	सात

VASUNDHARAHINDI.COM

3) **देशी शब्द** –

जनजातियों, ग्राम की बोलियों से लिए गए शब्दों को देशी या देशज शब्द कहते हैं।

जैसे – **झाड़ू, पगड़ी, पेट, खिड़की, चीनी आदि।**

4) **विदेशी शब्द** –

अंग्रेजी, अरबी, फारसी, चीनी, पुर्तगाली, जापानी आदि भाषाओं से हिंदी में आये शब्द विदेशी शब्द हैं।

जैसे –

अरबी-फारसी – **आक़ा, क़त्ल, फ़कीर, बाज़ार, बेग़म, सज़ा**
अंग्रेजी शब्द – **कॉलेज, टेलीफोन, फुटबॉल, मशीन**
पुर्तगाली शब्द – **ऑलपिन, अलमारी, कप्तान, संतरा**
फ्रांसीसी शब्द – **काजू, कूपन**
जापानी शब्द – **रिक्शा**
चीनी शब्द – **चाय, लीची**

5) **संकर शब्द** –

दो अलग-अलग भाषाओं को मिलाकर जो नया शब्द बनता है उन्हें संकर शब्द कहते हैं। हिंदी में इस प्रकार के भी अनेक शब्द है।

जैसे –

हिंदी व संस्कृत के शब्द – **वर्षगाँठ, कपड़ा-उद्योग**
हिंदी व अरबी-फारसी शब्द – **किताबघर**

VASUNDHARAHINDI.COM

IV. रचना की दृष्टि से शब्द का वर्गीकरण

रचना की दृष्टि से शब्द तीन प्रकार के हैं –

1) **रूढ़ शब्द**
2) **यौगिक शब्द**
3) **योगरूढ़ शब्द**

1) **रूढ़ शब्द – जो शब्द लंबे समय से किसी विशेष अर्थ के लिए प्रयुक्त होते हैं तथा इन शब्दों के खंड नहीं किए जा सकते।**
   जैसे – मकान, कुर्सी, दिन, किताब आदि

2) **यौगिक शब्द – जब रूढ़ शब्द के साथ उपसर्ग, प्रत्यय या अन्य रूढ़ शब्द जोड़कर नया शब्द बनता है, उसे यौगिक शब्द कहते हैं।**
   जैसे – नम्रता – नम्र (रूढ़) + ता (प्रत्यय)
   अन्याय – अ (उपसर्ग) + न्याय (रूढ़)
   प्रधानमंत्री – प्रधान (रूढ़) + मंत्री (रूढ़)

3) **योगरूढ़ शब्द – जिन यौगिक शब्दों का अर्थ किसी तीसरे अर्थ के लिए रूढ़ हो जाता है उसे योगरूढ़ शब्द कहते हैं।**
   जैसे –
   पीत + अंबर – पीतांबर (कृष्ण)
   एक + दंत – एकदंत (गणेश)
   महा + वीर – महावीर (हनुमान)
   नील + कंठ – नीलकंठ (शिव)

VASUNDHARAHINDI.COM

V. व्याकरण की दृष्टि से शब्दों का वर्गीकरण

व्याकरण की दृष्टि से शब्द दो प्रकार के होते हैं।

1) विकारी शब्द
2) अविकारी शब्द

1) विकारी शब्द – ऐसे शब्द, जो व्याकरण के नियमों में डालने पर अपना रूप बदल लेते हैं, विकारी शब्द कहलाते हैं। जैसे लड़का शब्द में ई प्रत्यय लगाने पर लड़की बन जाता है।

विकारी शब्द चार प्रकार के होते हैं –

a) संज्ञा – लड़का, लड़की, लड़के, लड़कियाँ आदि
b) सर्वनाम – मैं, मुझे, मेरा, मेरे आदि
c) विशेषण – छोटा- छोटे, छोटी; अच्छा – अच्छी, अच्छे आदि
d) क्रिया – जाता है, जाते हैं, जाएँगे, जाएगा, जाऊँगा आदि

2) अविकारी शब्द – ऐसे शब्द, जिनमें लिंग, वचन, काल आदि के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता, अविकारी शब्द कहलाते हैं। ये शब्द अपने मूल रूप में ही रहते हैं। जैसे – आज, कौन, धीरे आदि।

अविकारी शब्द चार प्रकार के होते हैं –

a) क्रिया विशेषण
b) संबंधबोधक
c) समुच्चयबोधक
d) विस्मयादिबोधक

a) क्रिया विशेषण शब्द – क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द क्रिया विशेषण शब्द कहलाते हैं।

जैसे – इधर, उधर, अब, कब, आज आदि

b) **संबंधबोधक शब्द – संबंध का बोध कराने वाले शब्द संबंधबोधक शब्द कहलाते हैं।**
जैसे – के साथ, के अनुसार, के लिए, के पहले आदि

c) **समुच्चयबोधक शब्द – दो शब्दों या वाक्यों को जोड़ने वाले पद समुच्चयबोधक शब्द कहलाते हैं।**
जैसे – और, तथा, किंतु, परंतु, इसलिए आदि

d) **विस्मयादिबोधक शब्द – हर्ष, शोक, घृणा आदि भावों को व्यक्त करने वाले शब्द विस्मयादिबोधक शब्द कहलाते हैं।**
जैसे – अहा!, अरे!, शाबाश!, हाय! आदि

VASUNDHARAHINDI.COM

-: पद :-

पद – जब कोई शब्द व्याकरण के नियमों, प्रत्यय, उपसर्ग, लिंग, वचन, कारक आदि में बंध कर किसी वाक्य में प्रयुक्त होता है, तब शब्द, शब्द नहीं, पद कहलाता है।
जैसे – बंदर वृक्ष पर बैठा है। इस वाक्य में "बंदर" शब्द नहीं, संज्ञा पद है।

पद 5 प्रकार के होते हैं –

I. **संज्ञा पद**
II. **सर्वनाम पद**
III. **विशेषण पद**
IV. **क्रिया पद**
V. **अव्यय पद**

I. संज्ञा पद – किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव आदि के नाम को संज्ञा कहते हैं।
संज्ञा के तीन भेद हैं –

1) **व्यक्तिवाचक संज्ञा – राम, सीता, सुरभि, सौरभ, ऐरावत (हाथी), दिल्ली, भारत, हिमालय, गंगा आदि**
2) **जातिवाचक संज्ञा – मनुष्य, बालिका, नदी, पर्वत, नगर, फल, सब्जी आदि**
3) **भाववाचक संज्ञा – सुंदरता, बुढ़ापा, शांति, प्रशंसा आदि**

II. सर्वनाम पद – संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले पद सर्वनाम पद कहलाते हैं।
सर्वनाम के 6 भेद हैं –

1) **पुरुषवाचक सर्वनाम –**
   a) **उत्तम पुरुष – मैं, हम, हमारा आदि**
   b) **मध्यम पुरुष – तुम, तुम्हारा, आप आदि**
   c) **अन्य पुरुष – वह, वे, उसे, उसका आदि**

VASUNDHARAHINDI.COM

2) **निश्चयवाचक सर्वनाम** – यह, ये, वह, वे, उसका आदि

3) **अनिश्चयवाचक सर्वनाम** – कुछ, कोई, किसी आदि

4) **प्रश्नवाचक सर्वनाम** – क्या, क्यों, कैसे, कब, कौन आदि

5) **संबंधवाचक सर्वनाम** – जो-सो, वह-जो, जिसे-उसे, जैसे-वैसे आदि

6) **निजवाचक सर्वनाम** – आप, अपने, स्वयं खुद आदि

III. **विशेषण पद** – संज्ञा व सर्वनाम की विशेषता बताने वाले पद विशेषण पद कहलाते हैं।
जैसे – काला, मीठा, योग्य, ईमानदार, लंबा, बहुत आदि

विशेषण व विशेष्य – संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले पद विशेषण कहलाते हैं तथा जिन पदों की विशेषता प्रकट की जाती है उसे विशेष्य कहते हैं।
जैसे – काला घोड़ा – काला विशेषण और घोड़ा विशेष्य
प्रविशेषण – विशेषण की विशेषता बताने वाले पद प्रविशेषण कहलाते हैं।
वाक्य – मोहिनी बहुत सुंदर है। – सुंदर विशेषण तथा बहुत प्रविशेषण है।
विशेषण के चार भेद हैं :-

1) **गुणवाचक विशेषण** – अच्छा, काला, छोटा, मीठा, नरम आदि

2) **परिमाणवाचक विशेषण** – कुछ, थोड़ा, जरा, चार किलो, एक लीटर, बीस मीटर आदि

3) **संख्यावाचक विशेषण** – एक, दो, आधा, पहला, तिहरा आदि

4) **सार्वनामिक विशेषण** – यह किताब, कौन लड़का। यह, कौन सार्वनामिक विशेषण हैं।

IV. क्रिया पद – जो पद किसी कार्य के होने या करने का बोध कराते हैं, उन्हें क्रिया कहते हैं।

क्रिया के दो भेद हैं –

1) **अकर्मक क्रिया –**
   a) **मोर नाचा।**
   b) **मोहन खेल रहा है।**

2) **सकर्मक क्रिया –**
   a) **राम ने आम खाया।**
   b) **बच्चे सीरियल देख रहे हैं।**

V. अव्यय पद – अव्यय पद को अविकारी पद भी कहते हैं।

जो पद लिंग, वचन, कारक, काल आदि के कारण अपना रूप नहीं बदलते, उन्हें अव्यय या अविकारी पद कहते हैं।

अव्ययी पद पाँच प्रकार के होते हैं –

1) **क्रिया विशेषण पद – क्रिया की विशेषता बताने वाले पद क्रिया विशेषण पद कहलाते हैं।**

   जैसे –
   a) **सीता मधुर गाती है।**
   b) **गीता अभी आई है।**

      मधुर व अभी क्रिया विशेषण पद हैं।

2) **संबंधबोधक पद – जो पद संज्ञा-सर्वनाम के साथ जुड़कर उसका संबंध अन्य पदों से बताते हैं उन्हें संबंधबोधक पद कहते हैं।**

   जैसे –
   a) **खुशी के मारे वह पागल हो गया।**
   b) **मेरे घर के पास बस अड्डा है।**

      के मारे, के पास संबंधबोधक पद हैं।

VASUNDHARAHINDI.COM

3) **समुच्चयबोधक पद – दो शब्दों या दो वाक्यों को जोड़ने वाले पद समुच्चयबोधक पद हैं।**
जैसे –
a) **माता और पिता**
b) **रवि एवं सोम**
और तथा एवं समुच्चयबोधक पद हैं।

4) **विस्मयादिबोधक पद – हर्ष, शोक, घृणा, आश्चर्य आदि का बोध करने वाले पद विस्मयादिबोधक पद कहलाते हैं।**
जैसे – वाह!, हाय!, आह!, ओह! आदि

5) **निपात पद – जो अव्यय किसी पद के बाद लग कर उसके अर्थ को विशेष कर देते हैं, उसे निपात पद कहते हैं।**
जैसे –
a) **मोहन ही जा रहा है।**
b) **सोहन तो गया ही नहीं।**
ही, तो आदि निपात पद हैं।

VASUNDHARAHINDI.COM

अभ्यास

प्रश्न 1) **शब्द किसे कहते हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट करें।**

उत्तर 1) **ऐसा स्वतंत्र वर्ण समूह, जिसका एक निश्चित अर्थ हो, उसे शब्द कहते हैं।**
जैसे – पुस्तक, खेल, गीता, सड़क आदि शब्द हैं।

प्रश्न 2) **पद किसे कहते हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट करें।**

उत्तर 2) **जब कोई शब्द व्याकरण के नियमों, प्रत्यय, उपसर्ग, लिंग, वचन, कारक आदि में बंध कर किसी वाक्य में प्रयुक्त होते हैं, तब उस शब्द को पद कहते हैं।**
जैसे – राम खेल रहा है।
इस वाक्य में राम – संज्ञा पद, खेल – कर्म पद, रहा है – क्रियापद है।

प्रश्न 3) **शब्द और पद में क्या अंतर है? उदाहरण सहित स्पष्ट करें।**

उत्तर 3) **शब्द – वर्णों का समूह, जिसका एक निश्चित अर्थ हो, उसे शब्द कहते हैं।**
पद – जब कोई शब्द व्याकरण के नियमों, प्रत्यय, उपसर्ग, लिंग, वचन, कारक आदि में बंध कर किसी वाक्य में प्रयुक्त होते हैं, उन शब्दों को पद कहते हैं।
शब्द – राम, खेल आदि
पद – राम खेल रहा है।
राम संज्ञा पद है, खेल कारक (कर्म) है।

प्रश्न 4) **वाक्य किस से मिलकर बनता है?**

उत्तर 4) **वाक्य पदों से मिलकर बनता है।**
जैसे – सीता खाती है। वाक्य है।

प्रश्न 5) **जिन शब्दों में प्रयोगानुसार परिवर्तन होता है, वे क्या कहलाते हैं?**

उत्तर 5) **प्रयोगानुसार परिवर्तित होने वाले शब्दों को विकारी शब्द कहते हैं।**

प्रश्न 6) **शब्द कब पद बनता है?**

उत्तर 6) **शब्द जब व्याकरण के नियमों में बंध कर वाक्य में प्रयुक्त होते हैं, तब शब्द पद बन जाते हैं।**

राहुल शब्द है।

राहुल जाता है। इस वाक्य में राहुल संज्ञा पद हैं।

प्रश्न 7) **पद कितने प्रकार के होते हैं? उनके नाम लिखें।**

उत्तर 7) **पद पाँच प्रकार के होते हैं –**

1) **संज्ञा पद**
2) **सर्वनाम पद**
3) **विशेषण पद**
4) **क्रिया पद**
5) **अव्ययी पद**

प्रश्न 8) **शब्द और पद का एक-एक उदाहरण लिखो।**

उत्तर 8) **शब्द – रमेश**

पद – रमेश कल दिल्ली जाएगा। रमेश संज्ञा पद है।

*****

VASUNDHARAHINDI.COM

पदबंध

पदबंध की परिभाषा : जब एक से अधिक पद मिल कर एक व्याकरणिक इकाई का काम करते हैं, तब उस बँधी हुई इकाई को पदबंध कहते हैं।

जैसे :- दशरथ पुत्र राम ने रावण को मारा।

"दशरथ पुत्र राम" पदों का समूह कर्ता कारक का कार्य संपन्न कर रहा है। कर्ता"राम" संज्ञा है, इसलिए यह संज्ञा पदबंध है।

पदबंध में एक शीर्ष पद होता है तथा अन्य पदआश्रित होते हैं।

"दशरथ पुत्र राम" में "राम" शीर्ष पद है तथा "दशरथ पुत्र" आश्रित पद है।

पदबंध पाँच प्रकार के होते हैं :-

1. संज्ञा पदबंध
2. सर्वनाम पदबंध
3. विशेषण पदबंध
4. क्रिया पदबंध
5. क्रिया विशेषणपदबंध

VASUNDHARAHINDI.COM

I) संज्ञा पदबंध - जब संज्ञा पद शीर्ष पर हो तथा अन्य पद उस पर आश्रित हो,तो यह पद समूहसंज्ञा पदबंध कहलाता है। इस पदबंध में कारक के चिन्होंका प्रयोग भी होता है।

उदाहरण:-

1) सामने के मकान में रहने वाला लड़का आज चला गया।

"लड़का"शीर्ष पद है तथा कर्ता पद भी है।"सामने के मकान में रहने वाला" आश्रित पद है।अतः "सामने के मकान में रहने वाला लड़का" संज्ञा पदबंध है।

2) स्वागतार्थ आए हुए लोगों से घिरे श्रीकृष्ण ने नगर में प्रवेश किया।

"श्रीकृष्ण"शीर्ष व कर्ता पद है।"स्वागतार्थ आए हुए लोगों से घिरे" आश्रित पद है। इसलिए "स्वागतार्थ आए हुए लोगों से घिरे श्रीकृष्ण" संज्ञा पदबंध है।

3) दशरथ पुत्र राम ने रावण को मार डाला।

"राम"शीर्ष और कर्ता पद है।"दशरथ पुत्र" आश्रित पद है। इसलिए "दशरथ पुत्र राम" संज्ञा पदबंध है।

4) कपिल देव सबसे अधिक विकेट लेने वाला गेंदबाज है।

"कपिल देव" शीर्ष पद है।"सबसे अधिक विकेट लेने वाला गेंदबाज" आश्रित पद है। इसलिए "कपिल देव सबसे अधिक विकेट लेने वाला गेंदबाज" संज्ञा पदबंध है।

5) देश के लिए मर मिटने वाला व्यक्ति सच्चा देशभक्त होता है।

"व्यक्ति"शीर्ष पद है।"देश के लिए मर मिटने वाला" आश्रित पद है। इसलिए "देश पर मर मिटने वाला व्यक्ति" संज्ञा पदबंध है।

II) **सर्वनाम पदबंध** - जब सर्वनाम पद शीर्ष पर हो तथा अन्य पद उस पर आश्रित हो, यह पद समूह सर्वनाम पदबंध कहलाता है। इस पदबंध में कारक के चिन्हों का भी प्रयोग होता है।

उदाहरण :-

1) शेर की तरह दहाड़ने वाले आपकाँप क्यों रहे हैं?

"आप"शीर्ष और कर्ता पद हैं।"शेर की तरह दहाड़ने वाले"आश्रितपदहै। इसलिए "शेर की तरह दहाड़ने वाले आप" सर्वनाम पदबंध है।

2) बड़ी शेखियाँबघारने वाला वह आज मुँह लटका कर बैठा है।

"वह"शीर्ष और कर्ता पद है। "बड़ी शेखियाँ बघारने वाला"आश्रित पद है। इसलिए "बड़ी शेखियाँबघारने वाला वह" सर्वनाम पदबंध है।

3) चोट खाए हुए तुम भला क्या खेलोगे?

"तुम"शीर्ष और कर्ता पद है।"चोट खाए हुए" आश्रित पद है।"चोट खाए हुए तुम"सर्वनाम पदबंध है।

4) इतनी लगन से काम करने वाला मैं असफल नहीं हो सकता।

"मैं"शीर्ष और कर्ता पद है।"इतनी लगन से काम करने वाला"आश्रित पद है।"इतनी लगन से काम करने वाला मैं"सर्वनाम पदबंध है।

5) बाहर से आए हुए छात्रों में कुछ शाकाहारी हैं।

"कुछ" शीर्ष और कर्ता पद है।"बाहर से आए हुए छात्रों में" आश्रित पद हैं। इसलिए "बाहर से आए हुए छात्रों में कुछ" सर्वनाम पदबंध है।

III) विशेषण पदबंध - जो पदबंधसंज्ञा व सर्वनाम के विशेषण के रूप में प्रयुक्त होते हैं, उसे विशेषण पदबंध कहते हैं। विशेषण पदबंध में विशेषण पद शीर्ष पर होता है।

उदाहरण:-

1) सामने की दुकान पर चाय पिलाने वाला लड़का अपने घर चला गया।

"सामने की दुकान पर चाय पिलाने वाला" विशेषण पदबंधहै, क्योंकि यह "लड़का" संज्ञा पद की विशेषता बता रहा है।

2) जोर-जोर से चिल्लाने वाले तुम अब चुप क्यों हो?

"जोर-जोर से चिल्लाने वाले" विशेषण पदबंध है, क्योंकि यह "तुम" सर्वनाम की विशेषता प्रकट कर रहा है।

3) मीठे-मीठे सपने देखने वाले लोग अकर्मण्य होते हैं।

"मीठे-मीठे सपने देखने वाले" विशेषण पदबंध है, क्योंकि यह "लोग" संज्ञा की विशेषता प्रकट कर रहा है।

4) मेरे कानपुर वाले मित्र ने मुझे एक सचित्र और मोटी पुस्तक भेंट की।

"एक सचित्र और मोटी" विशेषण पदबंध है, क्योंकि यह "पुस्तक" संज्ञा की विशेषता प्रकट कर रहा है।

5) बंगले के पीछे लगा पेड़ गिर गया।

"बंगले के पीछे लगा" विशेषण पदबंध है, क्योंकि यह "पेड़" संज्ञा की विशेषता बता रहा है।

VASUNDHARAHINDI.COM

IV) क्रिया पदबंध - एक से अधिक क्रिया-पद मिलकर जहाँ क्रिया का कार्य संपन्न करते हैं, वहाँ क्रिया पदबंध होता है।

उदाहरण:-

1) सब हम सब पढ़ कर सो जाया करते हैं।

"पढ़ कर सो जाया करते हैं" क्रिया पदबंध है।

2) अब तो हम से चला भी नहीं जा रहा है।

"चला भी नहीं जा रहा है" क्रियापदबंध है।

3) हमें उनकी बात मान लेनी चाहिए थी।

"मान लेनी चाहिए थी" क्रिया पदबंध है।

4) नाव पानी में डूबती चली गई।

"डूबती चली गई"क्रिया पदबंध है।

5) यह तो लिखा भी नहीं जाता।

"लिखा भी नहीं जाता" क्रियापदबंध है।

VASUNDHARAHINDI.COM

V) क्रिया विशेषण पदबंध - क्रिया की विशेषता बताने वाले एक से अधिक पद क्रिया विशेषण पदबंध कहलाते हैं।

उदाहरण :-

1) मोहन बहुत धीरे-धीरे बोलता है।

"बहुत धीरे-धीरे" क्रिया विशेषण पदबंध है, क्योंकि यह "बोलता है" क्रिया की विशेषता बता रहा है।

2) गेंद की तरह लुढ़क कर वह नीचे आ गिरा।

"गेंद की तरह लुढ़क कर" क्रिया विशेषणपदबंध है, क्योंकि यह "नीचे आ गिरा" क्रिया की विशेषता बता रहा है।

3) नित्यप्रति की भाँति वह काम पर चला गया।

"नित्यप्रति की भाँति" क्रिया विशेषण पदबंधहै, क्योंकि यह "चला गया" क्रिया की विशेषता है।

4) वह पहले की अपेक्षा बहुत तेज दौड़ा।

"बहुत तेज" क्रिया विशेषण पदबंधहै, क्योंकि यह "दौड़ा" क्रिया की विशेषता है।

5) बालक रोता हुआ शनैः-शनैः अपनी माता के पास पहुँचा।

"शनैः-शनैः" क्रिया विशेषण पदबंधहै, क्योंकियह"रोता हुआ पहुँचा" क्रिया की विशेषता है।

VASUNDHARAHINDI.COM

अभ्यास

निम्नलिखित रेखांकित वाक्यांशों का पदबंध बताइए:-

1) रमेश पढ कर सो गया है।

"पढ़कर सो गया है" क्रियापदबंध है।

2) अपने घर से भागे हुए तुमयहाँ घूम रहे हो।

"अपने घर से भागे हुए तुम" सर्वनाम पदबंध है।

3) ऑस्ट्रेलिया से आए हुए खिलाडी अशोक होटल में ठहरे हैं।

"ऑस्ट्रेलिया से आए हुए खिलाड़ी" संज्ञा पदबंध है।

4) परिश्रम करने वाला छात्र परीक्षा में उत्तीर्ण होगा।

"परिश्रम करने वाला छात्र" संज्ञा पदबंध है।

5) वह पुस्तक पढते-पढते सो गया।

"पढ़ते-पढ़ते सो गया" क्रियापदबंध है।

6) मेरे आगरे वाले भाई ने मुझे एक सचित्र और सजिल्दपुस्तक दी।

"मेरे आगरे वाले भाईने" तथा"एक सचित्र और सजिल्द" विशेषण पदबंध है।

7) मेरे लखनऊ वाले मित्र ने मुझे एक मूल्यवान उपहार भेजा है।

"मेरे लखनऊ वाले मित्र ने" तथा "एक मूल्यवान" विशेषण पदबंध है।

8) कुछ लोग धीरे-धीरे बातें करते हुए चले जा रहे हैं।

"धीरे-धीरे बातें करते हुए" क्रियाविशेषण पदबंध है।

VASUNDHARAHINDI.COM

9) नदी <u>कल-कल करती हुई</u> बह रही है।

"कल-कल करती हुई" क्रिया विशेषण पदबंध है।

10) वह गाड़ी <u>चलती-चली जा रही है</u>।

"चलती-चली जा रही है" क्रियापदबंध है।

*****

VASUNDHARAHINDI.COM